आरती श्री गुरु महाराज जी की ।।

जय गुरुदेव दयानिधि दीनन हितकारी स्वामी

जय जय मोह विनाशक भब बन्धनहारी जय...

ब्रहम्मा विष्णु सदाशिव गुरु मूर्ति धारी । स्वामी....

वेद पुराण बखानत गुरु महिमा भारी जय.....

जप तप सयम दानविविध कान्हे स्वामी.....

गुरु विन ज्ञान न होवे लाख यत्न किन्हे । जय..

माया मोह नदी जल जीव वह सारे स्वामी.....

नाम जहाज विठा कर गुरु पल मे तारे । जय..

काम क्रोध मद मस्तर चोर बड़े भारी, स्वामी...

ज्ञान का दण्ड देकर गुरु पल मे तारे । जय...

नाना पंथ जगत मे निज निज गुण गावे । जय...

सब का भेद बताकर गुरु मार्ग लावे । जय....

गुरु चरणमृत निर्मल सब पातक हारी । जय..

वचन सूनत तम नाशे सव संकट हारी । जय..

तन मन धन सब गुरु चरणन दीजे स्वामी ।...

ब्रह्मानन्द परमपद मोक्ष गति लिजे । जय.....

ओम जय गुरुदेव दयानिधि दीनन हितकारी..

***